अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

आभार

भूमिका **7-8**

प्रस्तावना **9-16**

1. स्ट्रिंगर की अवधारणा **17-26**

1.1 स्ट्रिंगर की परिभाषा और अवधारणा

1.2 स्वतंत्रता पूर्व की अवधि में स्ट्रिंगर

1.3 स्वतंत्रता के बाद और भूमंडलीकरण के दौर में स्ट्रिंगर की अवधारणा

2.विकास कार्यों में स्ट्रिंगरों का योगदान **27-38**

2.1 शहरी क्षेत्र के विकास में स्ट्रिंगरों की भूमिका

2.2 ग्रामीण क्षेत्र के विकास में स्ट्रिंगरों की भूमिका

3. स्ट्रिंगरों का सामाजिक परिदृश्य **39-53**

3.1 स्ट्रिंगरों का सामाजिक जीवन

3.2 स्ट्रिंगरों की आर्थिक स्थिति

3.3 स्थानीय प्रशासन व राजनीति में स्ट्रिंगरों की स्थिति

4. स्ट्रिंगरों की कार्यप्रणाली **54-70**

4.1 समाचार संकलन के तरीके

4.2 स्ट्रिंगरों को प्रभावित करनेवाले कारक

5. वर्तमान परिदृश्य में स्ट्रिंगर की चुनौतियां **71-87**

5.1 व्यावसायिक पत्रकारिता बनाम ग्रामीण पत्रकारिता

5.2 पत्रकारिता प्रशिक्षण का अभाव

5.3 स्थानीय प्रशासन और लोगों का असहयोगात्मक रवैया

5.4 विद्युत की अनुपलब्धता, तकनीकी सुविधाओं व संसाधनों का अभाव

6. मीडिया प्रोफेशनल की नजर में स्ट्रिंगर **88-100**

6.1 संपादकों की नजर में स्ट्रिंगर

6.2 कार्यशील पत्रकारों की नजर में स्ट्रिंगर

6.3 मीडिया के छात्रों की नजर में स्ट्रिंगर

7. आंकड़ों की स्थिति व प्रभाव का विश्लेषण **100-119**

निष्कर्ष एवं सुझाव 120-124

परिशिष्ट 125-145